Alcoholism

आधुनिक समय में शराब या अन्य नशीले पेय पदार्थों का सेवन एक फैशन सा हो गया है, परन्तु सभी शराब पीने वाले व्यक्तियों को Alcohol Addiction की श्रेणी में नहीं रखा जाता है। जब किसी भी व्यक्ति में अत्यधिक मात्रा में मद्यपान करने की ऐसी बुरी लत लग जाता है कि वह पूर्णतः उस पर निर्भर हो जाता है, और उसमें समायोजन संबंधी कठिनाईयाँ उत्पन्न हो जाती है तो इस अवस्था को Alcoholism की संज्ञा दी जाती है।

Coleman (1971) के अनुसार "मद्यपान वह असामान्य व्यवहार है जो मादक पदार्थ के चिरकालिक तथा अतिशय उपयोग से सम्बद्ध होता है।"

General effects of Alcoholism —

सामान्यतः विश्वास किया जाता है कि मद्यपान का प्रभाव उत्तेजक होता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि उसका प्रभाव विषादी होता है। इसका प्रतिकूल प्रभाव उच्च मस्तिष्क केन्द्रों पर पड़ता है, जिससे उसका अवरोधक नियंत्रण कमजोर हो जाता है। ऐसे व्यक्ति मद्यपान को ही अपने व्यक्तिगत समस्याओं से निपटने का सबसे उत्तम तरीका मानते हैं, मद्यपान व्यसनी में लैंगिक उत्तेजन की अधिकता, नियंत्रण की कमी, स्मृति ह्रास, भोजन समय पर न करना, क्रियात्मक समन्वय की कमी आदि लक्षण मुख्य रूप से देखने को मिलता है। मद्यपान के प्रभाव में व्यक्तिगत भिन्नताएँ पाई जाती है। कुछ लोग अधिक मात्रा में अल्कोहल लेने के बाद भी अपने उपर नियंत्रण रखने में समर्थ होते हैं जबकि कुछ लोग अपेक्षाकृत कम मात्रा में अल्कोहल लेने पर भी नियंत्रण खो बैठते हैं। मद्यपान करने वाले कुछ लोग

ऐसे भी होते हैं जो चोर पियक्कड़ बन जाते है। ऐसे लोग मद्यपान करना किसी कारण से बंद कर दे तो सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, निवर्तन, उच्चाटपन आदि लक्षणों के शिकार बन जाते है। ऐसी स्थिति में परिवार के सदस्यों का जीवन दुःखद बन जाता है। ऐसे व्यक्ति का उसका व्यक्तित्व विकृत बन जाता है और वह स्मृति-क्षति, व्यामोह तथा विभ्रम का शिकार बन जाता है। ऐसे मद्यपान करने वाले व्यक्ति के व्यक्तित्व को Alcoholic Personality कहा जाता है। ऐसे व्यक्ति को उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करना आवश्यक बन जाता है।